इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, मंगलवार, 8 अप्रैल 2025

जब तक आपका शरीर स्वस्थ और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सर पर आ जायेगी तब आप क्या कर पाएंगे?
-चाणक्य

वर्ष 17 अंक 212 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 39.2°C (+2.0) न्यूनतम 20.3°C(+0.6) सेंसेक्स 73,137.90 (-2226.79) निफ्टी 22,161.60 (-742.85) सोना 90,810 चांदी 94,000 मुद्रा - डालर 85.51 दिरहम 23.28 रियाल 22.80

स्वस्थ समाज की नींव है मां और बच्चों की हेल्थ : प्रो. महदी

एरा विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व स्वास्थ्य दिवस

लखनऊ (सं) विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एरा विश्वविद्यालय में स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य थीम परकार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी मौजूद थे। एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल के प्राधानाचार्य डाक्टर जमाल मसूद ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस मौके पर कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को हुई थी। इसी क्रम में विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है। माताओं और शिशुओं का हेल्थ स्वस्थ परिवारों एवं समाज की नींव है, जो हम सभी के लिए आशापूर्ण भविष्य सुनिश्चित करने में मदद करता है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य पर एक साल तक चलने वाले अभियान की शुरुआत करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह अभियान मातृ एवं नवजात शिशुओं की मृत्यु को रोकने के प्रयासों में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड हेल्थ डे को मनाने का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करके बेहतर जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यह सेहत से जुड़ी महत्वपूर्ण समस्याओं पर चर्चा करने, समाधान सुझाने और जागरूकता फैलाने का एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में गाइनी विभाग की एचओडी प्रो. एसपी जैसवार ने मातृत्व देखभाल की जरूरी बातें बताईं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रकाशित अनुमानों के आधार पर हर साल करीब 300000 महिलाएं गर्भावस्था या प्रसव के कारण अपनी जान गंवा देती हैं, जबकि 2 मिलियन से अधिक बच्चे अपने जीवन के पहले महीने में ही जान गंवा देते हैं और लगभग 2 मिलियन बच्चे मृत पैदा होते हैं। यह लगभग हर 7 सेकंड में 1 रोकी जा सकने वाली मौत है। बाल रोग विभाग के एचओडी प्रोफेसर शिरीष भटनागर ने नवजात मृत्यु दर को कम करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि हर जगह महिलाओं और परिवारों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल की आवश्यकता होती है जो उन्हें जन्म से पहले, जन्म के दौरान व जन्म के बाद शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से सहारा दे। स्वास्थ्य प्रणालियों को कई स्वास्थ्य समस्याओं को प्रबंधित करने के लिए विकसित होना चाहिए जो मातृ और नवजात शिशु के स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इनमें न केवल प्रत्यक्ष प्रसूति संबंधी जटिलताएँ शामिल हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य स्थितियां, गैर संचारी रोग और परिवार नियोजन भी शामिल हैं। इस दौरान नर्सिंग अधीक्षक डॉ. अंजलाची ने स्वस्थ शुरुआत को बढ़ावा देने में नर्सों की भूमिका, मातृ और शिशु देखभाल पर अपनी बात रखी। उप रजिस्ट्रार डॉ. गजाला जैदी ने मातृ फ्लोराइड जोखिम, प्रजनन क्षमता, जन्म परिणाम और नवजात स्वास्थ्य विषय पर प्रकाश डाला।

प्रधानाचार्य डाक्टर जमाल मसूद ने कहा कि इस अभियान का मकसद महिलाओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने वाले प्रभावी निवेश की वकालत करना। महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान करने वाले स्वास्थ्य पेशेवरों का समर्थन करने के लिए सामूहिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करना और गर्भावस्था, प्रसव और प्रसवोत्तर अवधि से संबंधित उपयोगी स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करना है। वहीं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर आबिद असगर ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके इसके लिए हर साल यह दिवस मनाया जाता है। प्रो. प्रभा श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन पेश किया। इस अवसर पर एमएस ब्रिगेडियर सुरजीत बसु, प्रिंसिपल एरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग प्रोफेसर प्रिसिला सैमसन, एचओडी रेस्पिरेटरी मेडिसिन प्रोफेसर के.बी.गुप्ता, एमबीबीएस इंटर्न और नर्सिंग छात्र भी मौजूद थे।